# अध्याय तृतीय

# शोध प्रारूप

## ३.१ शोध समस्या -

**'जीवन की अवधारणा'** क्या है जीवन की अवधारणा सदैव से ही मनुष्य के लिये शोध की विषय वस्तु रही है शिक्षा के क्षेत्र मे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से **''जीवन की अवधारणा का अध्ययन''** अत्यन्त महत्वपूर्ण है ।

बच्चे जन्म के पश्चात माता–पिता, परिवार, आस–पास का वातावरण और समाज के सम्पर्क मे आते है ।

विकास की अवस्थाओ मे परिवर्तन के साथ–साथ उनकी मानसिक सरचनाओ मे परिवर्तन होता है तथा सकल्पनाओ का निर्माण होता है और सप्रत्यय का विकास होता है ।
वे सजीव और निर्जीव मे अन्तर जानने की चेष्टा करते है ।

बच्चे विभिन्न प्रकार के रूपो मे अपने विचारो को जोडते है और उन्हे परिभाषित करते है । (जैसे जीवित बोलता है, गर्म होता है, उसके खून होता है इत्यादि )

बच्चे अवस्था के अनुसार चेतना रखते है कि जीवन क्या है । वे जीवित को किस रूप मे जानते है और उसके लिये स्वय की सवेदनाओ से कैसे महसूस करते है तथा क्या कारण बताते है।
प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे जीवन की अवधारणा का अध्ययन को विषय वस्तु के रूप मे रखा गया है ।

## ३.२ शोध कार्य की आवश्यकता -

वर्तमान युग पूर्णत मशीनी युग है । कम्प्यूटर के आने से तथा मानव जीवन के दैनिक समस्त कार्यो मे कम्प्यूटर के उपयोग से मानव मस्तिष्क का विकास निरन्तरता की चरम सीमा पर जा पहुँचा है ऐसे मे प्रत्येक स्तर के बालको की सकल्पनाओ तथा अवधारणाओ की विकास पर्यावरणीय कारणो से तीव्र हो चला है ।

यह रूचि का विषय होगा यदि बच्चो के सदर्भ मे इस बात का अध्ययन किया जाय कि वे "जीवन" से क्या समझते है । क्या बच्चे भी वयस्को के समान **"जीवन"** की अवधारणा के सम्बन्ध मे चेतना रखते है । बच्चे **"जीवन"** शब्द से क्या समझते है वे **"जीवन"** शब्द को किन–किन अर्थो मे ग्रहण करते है । वे सजीवो और निर्जीवो मे अन्तर कैसे करते है । सजीवो मे किस प्रकार के गुणो को देखते है और अवलोकित करते है । उनके मस्तिष्क मे "जीवन"होने की अवधारणा क्या है । बच्चो के विकास की अवस्था के साथ–साथ उनमे **"जीवन"** की अवधारणा किस प्रकार परिवर्तन होता है और वे किन गुणो को "जीवन" के लिये अनिवार्य समझते है । अत **"जीवन"** की अवधारणा (कक्षा ३,५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे ) का अध्ययन किया गया है ।

## ३.३ शोध के उद्देश्य -

**"जीवन की अवधारणा"** के सदर्भ मे अनेक शिक्षा मनोवैज्ञानिको और प्राणी शास्त्र के वैज्ञानिको ने भिन्न–भिन्न अवधारणाओ को निर्मित किया है ।

**"जीवन"** के सदर्भ मे बच्चो की क्या अवधारणाए तथा दृष्टिकोण है । वे **"जीवन"** को किस प्रकार अवधारित करते है ।

जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण क्या है । वे किन–किन वस्तुओ को सजीव मानते है वस्तुओ को वे किन गुणो के आधार पर परिभाषित करते है ।

उपर्युक्त सदर्भ मे प्रस्तुत शोध मे शोधकर्त्ता द्वारा निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये है।

**"जीवन की अवधारणा"** कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे के निम्नलिखित उद्देश्य है।

१ बच्चे सजीव को कैसे अवधारित (निर्धारित ) करते है?

२ बच्चे निर्जीव को कैसे अवधारित (निर्धारित ) करते है?

३ बच्चे सजीव एव निर्जीव मे अन्तर कैसे करते है?

४ क्या कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ द्वारा सजीव वस्तुओ के हॉ में दिये गये उत्तरो मे अन्तर है?

५ कक्षा ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ द्वारा "जीवन की अवधारणा का अध्ययन" मे दिये गये उत्तरो का आरेखीय निरूपण करना?

## ३.४ शोध प्रश्न

१ क्या सूरज जीवित चीज है ?
२ क्या मच्छर जीवित चीज है ?
३ क्या अडा जीवित चीज है ?
४ क्या पेड जीवित चीज है ?
५ क्या साइकिल जीवित चीज है ?
६ क्या मकडी जीवित चीज है ?
७ क्या बादल जीवित चीज है ?
८ क्या एजिन (मोटर) जीवित चीज है ?
९ क्या बीज जीवित चीज है ?
१० (अ)क्या आप टी वी देखते है ?
१० (ब) क्या टी वी जीवित चीज है ?
११ क्या चन्द्रमा जीवित चीज है ?
१२ क्या तुलसी का पौधा जीवित चीज है ?
१३ क्या मछली जीवित चीज है ?
१४ क्या हरी घास जीवित चीज है ?
१५ क्या बैक्टीरिया (जीवाणु) जीवित चीज है ?

## ३.५ शोधचर -

प्रस्तुत शोध मे चर निम्नानुसार प्रयुक्त किये गये ।

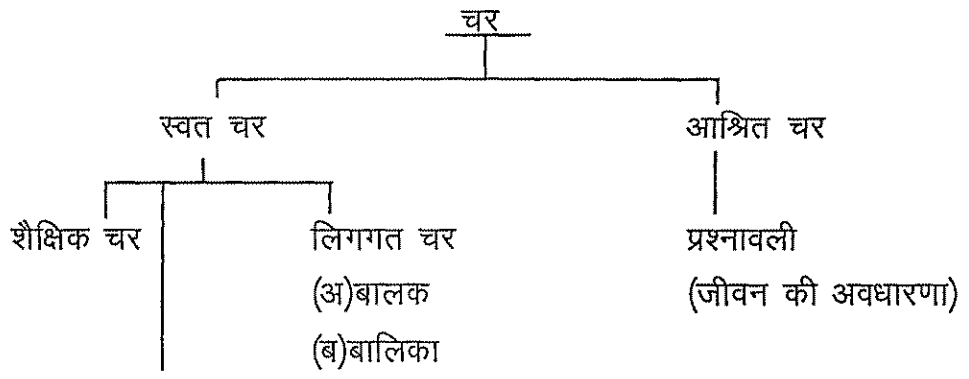


कक्षा–३ के बालक एव बालिकाए
कक्षा–५ के बालक एव बालिकाए
कक्षा–७ के बालक एव बालिकाए

## ३ ६ शोध का शीर्षक -

प्रस्तुत लघु शोध प्रबध का शीर्षक निम्न शब्दो मे शब्दाकित किया गया है ।
**''जीवन की अवधारणा का अध्ययन''**(कक्षा– ३, ५ एव ७ के बालक–बालिकाओ के सदर्भ मे )

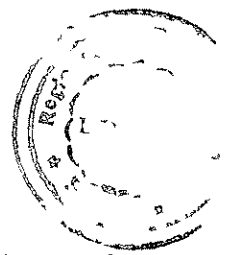

## ३.७ शोध कार्य की परिसीमाए -

प्रस्तुत शोधकार्य की परिसीमाए निम्नलिखित है ।

१ **''जीवन की अवधारणा''** हेतु पियाजे, जीन की प्रश्नावली मे परिवर्तन न करते हुये नई वस्तुओ को जोडकर उसका ही उपयोग किया ।

२ प्रस्तुत शोध प्राथमिक स्तर के १० विद्यालयो का से चयन किया गया ।

३ शोध कार्य हेतु भोपाल के ही–१० विद्यालयो का चयन किया गया ।

४ शोधकार्य मे कक्षानुसार समय का विशेष ध्यान रखा गया – जो कि निम्नानुसार है

कक्षा– ३ – १५ – २० मि
कक्षा–५ – १२ – १५ मि
कक्षा–७ – १० – १२ मि

## ३.८ शोध हेतु प्रयुक्त न्या दर्श -

प्रस्तुत लघुशोध प्रबन्ध मे शोधकर्त्ता द्वारा ८ अशासकीय तथा २ शासकीय विद्यालय से कक्षा ३,५ एव ७ की प्रत्येक कक्षा से २० बालक तथा २० बालिकाओ का चयन सुविधानुसार विधि से किया है ।

| क | विद्यालय | कक्षा | छात्र | छात्राए | सख्या | एक विद्यालय के कुल छात्र/छात्राए |
|---|---|---|---|---|---|---|
| १ | डी एम एस | ३ | २ | २ | ४ | |
| | श्यामला हिल्स, | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| २ | भोपाल एकेडमी,मा | ३ | २ | २ | ४ | |
| | विद्यालय,ऐशबाग | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ३ | रोजिल पब्लिक उ मा | ३ | २ | २ | ४ | |
| | वि श्यामला हिल्स, | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ४ | सुरूचि ज्ञान मदिर मा | ३ | २ | २ | ४ | |
| | वि जहाबीराबाद, | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ५ | कर्मशील उ मा वि | ३ | २ | २ | ४ | |
| | जहॉगीराबाद, | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ६ | हिन्द कान्वेट उ मा वि | ३ | २ | २ | ४ | |
| | अशोका गार्डन, | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ७ | मध्य रेल्वे समाज | ३ | २ | २ | ४ | |
| | कल्याण उ मा वि रेल्वे | ५ | २ | २ | ४ | |
| | स्टेशन,एरिया,भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ८ | शा विद्या विहार | ३ | २ | २ | ४ | |
| | मा वि प्रोफेसर कॉलोनी | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| ९ | शा चन्द्रशेखर आजाद | ३ | २ | २ | ४ | |
| | माध्यमिक विद्यालय | ५ | २ | २ | ४ | |
| | नार्थ टी टी नगर,भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |
| १० | बी जी मेमोरियल | ३ | २ | २ | ४ | |
| | उ मा वि नेहरू नगर, | ५ | २ | २ | ४ | |
| | भोपाल | ७ | २ | २ | ४ | १२ |

कुल विद्यालयो की सख्या १० कुल छात्र ६० कुल छात्राए ६० सम्पूर्ण छात्र/ छात्राए १२०